

दिसंबर 2023 तक शुरू हो जाएगी भूमिगत मेट्रो

महानगर संवाददाता

मुंबई

मुंबई में बिछ रहे मेट्रो के जाल की सबसे बड़ी भूमिगत मेट्रो लाइन दिसंबर, 2023 तक शुरू हो जाएगी। यह न सिर्फ मुंबईवासियों को यात्रा का चौथा विकल्प उपलब्ध कराएगी, बल्कि उन्हें मुंबई के बिल्कुल दक्षिणी छोर तक के सफर की सुविधा भी देगी।

मुंबई की लाइफ लाइन

फिलहाल, मुंबई की लोकल ट्रेनों को ही मुंबई की लाइफ लाइन कहा जाता है। पश्चिमी, पूर्वी और नई मुंबई के उपनगरों सहित डहाणू, कर्जत, कसारा और पनवेल तक के सुदूर स्टेशनों तक से यात्री इसी लाइफलाइन के जरिए मुंबई पहुंचते रहे हैं, लेकिन ये सारी उपनगरीय रेल लाइनें दक्षिण मुंबई में मुंबई छत्रपति शिवाजी टर्मिनस (सीएसएमटी) व चर्चगेट पर ही



आकर समाप्त हो जाती है।

जानें, कब शुरू होगा दूसरा फेज

इससे आगे कफ परेड तक जाने के लिए मुंबईवासियों को टैक्सि या बस का सहारा लेना पड़ता है, लेकिन मुंबई मेट्रो लाइन-3 न सिर्फ मुंबई बीचोबीच से गुजरते हुए कई महत्वपूर्ण कार्यक्षेत्रों, कालेजों, अस्पतालों को जोड़ेगी, बल्कि यह मुंबई के बिल्कुल दक्षिणी छोर कुलाबा तक भी ले जाएगी। इस मेट्रो लाइन का आरे कालोनी से बांद्र

तक का पहला फेज दिसंबर 2023 में और आरे कालोनी से कफ परेड तक का दूसरा फेज 2024 के मध्य तक शुरू हो जाएगा।

सिर्फ एक स्टेशन जमीन के ऊपर होगा मुंबई मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) के निदेशक (प्रोजेक्ट्स) एसके गुप्ता के अनुसार, लगभग 38,000 करोड़ की लागत से बन रही मुंबई मेट्रो-3 परियोजना की कुल लंबाई 33.5 किमी होगी। यह मेट्रो लाइन पूरी तरह से भूमिगत होगी। इसके 27 में से 26 स्टेशन भूमिगत होंगे, सिर्फ एक स्टेशन जमीन के ऊपर होगा। यह मेट्रो कुलाबा से सीपज तक की दूरी एक घंटे में पूरी करेगी। नरीमन प्वाइंट, कफ परेड, फोर्ट, लोअर परेल, बीकेसी और सीपज जैसे व्यस्त कार्यक्षेत्रों को यह मेट्रो जोड़ेगी।